जवाहर बाल भवन स्थापना दिवस समारोह

प्रतिभावान बच्चों का हुआ सम्मान

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए सकारात्मक एवं प्रेरणादायक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है।

वह मंगलवार को जवाहर बाल भवन, भोपाल के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक प्रतियोगिताओं के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं। मंत्री ने कहा कि बच्चों की रचनात्मक क्षमता को सही मंच देना समाज और सरकार दोनों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि जवाहर बाल भवन वर्ष 1987 से बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने का प्रभावी माध्यम बना हुआ है।

स्थापना दिवस के अवसर पर 3 जुलाई से संगीत, नृत्य, चित्रकला, नाटक, गृह विज्ञान, मूर्तिकला, हस्तकला, कंप्यूटर, खेलकूद और अभिनय सहित 10 से अधिक विधाओं में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें शहर के सैकड़ों बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समर कैम्प-2026 के अंतर्गत भी बच्चों के कौशल विकास के लिए विशेष कार्यशालाएं आयोजित की गईं। समारोह में विभाग की आयुक्त निधि निवेदिता, जवाहर बाल भवन की संचालक उषा सोलंकी तथा रविंद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर अभिजीत सोलंकी भी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और ऐसे आयोजनों को बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए उपयोगी बताया।

करोड़ों की जमीन की बिक्री पर उठे सवाल

भोपाल की शत्रु संपत्ति मामले में ईओडब्ल्यू जांच की मांग

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल नवाब की कथित शत्रु संपत्ति से जुड़े मामले में नया विवाद सामने आया है। समाजसेवी अमिताभ अग्निहोत्री ने आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) में शिकायत दर्ज कर मामले की विस्तृत जांच की मांग की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि भोपाल रियासत के तत्कालीन नवाब हमीदुल्ला खां की दूसरी पत्नी एवं पाकिस्तान निवासी आफताब जहां बेगम ने भारत सरकार से तथ्य छिपाकर करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन का विक्रय कर दिया। शिकायत के अनुसार 31 मई 1994 को भोपाल के बेहटा क्षेत्र स्थित लगभग 30.55 एकड़ भूमि मात्र 30.55 लाख रुपये में बेची गई। आरोप है कि प्रारंभ में केवल 1.55 लाख रुपये का भुगतान किया गया, जबकि शेष राशि किस्तों में देने का समझौता हुआ। शिकायतकर्ता का कहना है कि उस समय शत्रु संपत्ति अधिनियम पहले से लागू था, ऐसे में पाकिस्तान निवासी के नाम दर्ज संपत्ति के हस्तांतरण पर गंभीर कानूनी प्रश्न खड़े होते हैं।

शिकायत में दावा किया गया है कि वर्ष 1959 के राजस्व अभिलेखों में आफताब जहां बेगम के नाम बेहटा और बोरबन क्षेत्र में सैकड़ों एकड़ भूमि दर्ज थी। आरोप है कि पाकिस्तान जाने और भारतीय नागरिकता छोड़ने के बाद यह संपत्ति शत्रु संपत्ति की श्रेणी में आनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। साथ ही नगर निगम और राजस्व विभाग द्वारा नामांतरण, अनापत्ति प्रमाण पत्र तथा भवन निर्माण की अनुमति जारी किए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं।

समाजसेवी ने ईओडब्ल्यू से नौ बिंदुओं पर जांच कराने की मांग की है। इनमें यह पता लगाने की मांग शामिल है कि जमीन की बिक्री किस कानूनी आधार पर हुई, बिक्री की राशि किन खातों में जमा हुई, सरकार को स्टाम्प शुल्क के रूप में कितना नुकसान हुआ तथा लेनदेन में काले धन का उपयोग तो नहीं किया गया। शिकायत में यह भी अनुरोध किया गया है कि संबंधित अवधि के दौरान आफताब जहां बेगम के पासपोर्ट और भारत में उनकी उपस्थिति की भी जांच की जाए।

ईओडब्ल्यू ने शिकायत स्वीकार कर ली है। इसकी प्रतियां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, कस्टोडियन विभाग, प्रमुख सचिव राजस्व, कलेक्टर और एडीएम भोपाल को भी भेजी गई हैं। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि या जांच एजेंसियों की ओर से अब तक कोई निष्कर्ष सामने नहीं आया है। मामले की जांच के बाद ही आरोपों की सत्यता स्पष्ट हो सकेगी।

अड़ीबाजी और मारपीट करने वाला आरोपी सलमान उर्फ घोड़ी गिरफ्तार

शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर युवक से की थी मारपीट,कार में भी की थी तोड़फोड़

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः हनुमानगंज थाना पुलिस ने अड़ीबाजी कर मारपीट और वाहन में तोड़फोड़ के मामले में फरार चल रहे आरोपी सलमान उर्फ घोड़ी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सलीम चौक, काजी कैंप क्षेत्र में घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार, 23 जून 2026 को विदिशा जिले के सिरोंज निवासी अदनान (23) अपनी कार के पास काजी कैंप में मौजूद था। इसी दौरान सलमान उर्फ घोड़ी, तंजीम, राशिद और साजिद वहां पहुंचे और शराब पीने के लिए रुपए मांगने लगे। अदनान द्वारा पैसे देने से इनकार करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की तथा उसकी कार का कांच तोड़कर वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया।

पीड़ित की शिकायत पर हनुमानगंज थाने में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। मामले में अन्य आरोपियों के साथ फरार चल रहे सलमान उर्फ घोड़ी की तलाश जारी थी।

थाना प्रभारी निरीक्षक अवधेश सिंह भदौरिया के नेतृत्व में गठित टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी सलीम चौक, काजी कैंप के पास घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने घटना में शामिल होना स्वीकार किया। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार आरोपी सलमान उर्फ घोड़ी निवासी वाफना कॉलोनी, हनुमानगंज का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है और उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, मारपीट, आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न मामलों में पहले भी प्रकरण दर्ज हो चुके है।

ऐशबाग में 600 मकान तोड़ने की तैयारी का विरोध,सैकड़ों परिवार कलेक्टोरेट पहुंचे

पुनर्वास की मांग को लेकर धरने पर बैठे रहवासी, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः ऐशबाग स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में करीब 600 मकानों को हटाने की प्रस्तावित कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को सैकड़ों रहवासी कलेक्टोरेट पहुंच गए। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में पीड़ित परिवारों ने कलेक्टोरेट गेट पर धरना देते हुए प्रशासन से कार्रवाई तत्काल रोकने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि बिना पुनर्वास और वैकल्पिक आवास की व्यवस्था किए लोगों को बेघर करना अन्यायपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि बरसात के मौसम में मकान तोड़ने का फैसला अमानवीय और असंवेदनशील है, जिससे सैकड़ों परिवारों के सामने आवास का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा।

रहवासियों ने बताया कि कई परिवार दशकों से यहां निवास कर रहे हैं और अचानक बेदखली की कार्रवाई से बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों का भविष्य प्रभावित होगा। उनका कहना था कि प्रशासन पहले स्थायी पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करे, उसके बाद ही किसी प्रकार की तोड़फोड़ की कार्रवाई की जाए।

प्रदर्शन के दौरान रहवासियों ने एडीएम सुमित पांडेय को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक सभी प्रभावित परिवारों को उचित पुनर्वास और वैकल्पिक आवास उपलब्ध नहीं कराया जाता, तब तक उनका आंदोलन और कानूनी लड़ाई जारी रहेगी।

सेफ क्लिक अभियान 2.0: 700 छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव के दिए टिप्स

पुलिस आयुक्त संजय कुमार बोले, जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है

भोपाल। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे 'सेफ क्लिक अभियान 2.0' के तहत सोमवार को आरआईई, भोपाल में विशाल जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 700 छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार ने कहा कि 'साइबर अपराधों से बचाव का मात्र एक ही उपाय है जागरूकता। सतर्क रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे।' उन्होंने विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट, फिशिंग, विशिंग, स्मिशिंग, फर्जी निवेश, ऑनलाइन जॉब फ्रॉड, यूपीआई-क्यूआर कोड फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग और ओटीपी ठगी जैसे नए तरीकों की जानकारी दी।

आयुक्त ने कहा कि आज साइबर अपराधियों से निपटना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। इसे जागरूकता से ही रोका जा सकता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को सलाह दी कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और बैंकिंग व ओटीपी की जानकारी किसी से साझा न करें। साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करें। संस्थान के डायरेक्टर प्रो. शिवकुमार गुप्ता ने भी छात्रों को साइबर अपराधों के उदाहरण देकर बचाव के तरीके समझाए। कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त आयुष गुप्ता, एडीसीपी शालिनी दीक्षित, एसीपी राकेश बघेल, अनिल बाजपेई, चंद्रशेखर पांडे, संतोष पटेल और थाना प्रभारी नीलम पटवा मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं ने सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने का संकल्प लिया।

मादक पदार्थ तस्करी के दो मामलों में दोषियों को कारावास

गांजा और डोडा चूरा तस्करी मामले में सजा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में विशेष न्यायालय ने आरोपियों को दोषी ठहराते हुए कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है।

एक मामले में गांजा तस्करी के आरोपी को सात माह का सश्रम कारावास, जबकि दूसरे मामले में डोडा चूरा की तस्करी करने वाले आरोपी को तीन वर्ष के सश्रम कारावास की सजा दी गई है।

संभागीय जनसंपर्क अधिकारी मनोज त्रिपाठी के अनुसार, विशेष न्यायाधीश डॉ. मुकेश मलिक की अदालत ने कोलार रोड निवासी राजेश शर्मा को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत सात माह के सश्रम कारावास और पांच हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया। वहीं करोंद निवासी दानिश खान को धारा 8/15 के तहत तीन वर्ष के सश्रम कारावास और 20 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

पहले मामले में कोलार रोड थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गरीब नगर कॉलोनी में कार्रवाई कर राजेश शर्मा को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से 1.5 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ था। जांच और विवेचना के बाद मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

दूसरे मामले में निशातपुरा थाना पुलिस ने गैस राहत कॉलोनी में छापा मारकर दानिश खान के घर से 20 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद किया था। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच पूरी होने के बाद न्यायालय में चालान पेश किया गया।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने साक्ष्य, दस्तावेज और तर्क प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों को दोषी मानते हुए कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजकों ने प्रकरण की पैरवी की।

दो छात्राओं को संयुक्त रूप से मिलेगा बीएससी का गोल्ड मेडल

नप्र, भोपाल : मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की बीएससी (बायो) सत्र 2022-23 की दो छात्राओं किरण तिवारी और अंजली सोनी को संयुक्त रूप से गोल्ड मेडल प्रदान करने का निर्णय लिया है। विभाग ने इस संबंध में विश्वविद्यालय को आदेश जारी कर दिया है। यह मामला उस समय सामने आया था, जब मेरिट में दूसरे स्थान पर रहीं अंजली सोनी ने उच्च न्यायालय, जबलपुर में याचिका दायर कर प्रथम स्थान प्राप्त किरण तिवारी की पात्रता पर सवाल उठाया था। न्यायालय के निर्देश पर दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद उच्च शिक्षा विभाग ने पाया कि विश्वविद्यालय के नियमों में आंतरिक परीक्षा दोबारा देने को लेकर स्पष्ट प्रावधान नहीं हैं और संबंधित रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं था। विशेष परिस्थितियों को देखते हुए विभाग ने दोनों छात्राओं को संयुक्त रूप से गोल्ड मेडल देने का फैसला किया है। साथ ही विश्वविद्यालय को भविष्य में नियमों को स्पष्ट और पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

विधानसभा में यंग इंडियंस पार्लियामेंट के प्रतिभागियों से संवाद

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश विधानसभा भवन में सीआईआई यंग इंडियंस द्वारा आयोजित यंग इंडियंस पार्लियामेंट कार्यक्रम में नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य रजनीश अग्रवाल ने प्रतिभागी विद्यार्थियों से संवाद किया गया।

इस दौरान युवाओं की नेतृत्व क्षमता, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण होगी। कार्यक्रम में यंग इंडियंस चैप्टर चेयर कुहू शर्मा, को-चेयर शोभित जैन और युवा चेयर जयवर्द्धन जोशी उपस्थित रहे।

कालिदास जयंती पर मराठी नाटक का मंचन

नप्र, भोपाल : स्त्री सखी मंडल , भोपाल द्वारा महाकवि कालिदास की जयंती के निमित्त एक मराठी लघु नाटिका 'सरस्वतीचा वरद पुत्र' का मंचन 8 जुलाई को दोपहर 3.30 बजे श्री दत्त मंदिर सभागार में होगा ।इसका लेखन और निर्देशन किया है वरिष्ठ रंगकर्मी श्रीमती ज्योति सावरीकर ने। स्त्री सखी मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शोभा भिसे ने आज एक विज्ञप्ति में ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कविकुल शिरोमणि कालिदास को आदरांजलि देने के लिए मंडल ने यह लघु नाटिका मंचित करने की योजना बनाई है ताकि आज की पीढ़ी तक उनके अवदानों को पहुंचाया जा सके।

लिफ्ट देने वाले युवक से हजारों की लूट

भोपाल। राजधानी के परवलिया सड़क थाना क्षेत्र में लिफ्ट देने वाले एक युवक के साथ लूट और जानलेवा हमले की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बदमाश ने पहले युवक से लिफ्ट ली और फिर फोन पर बात करने के दौरान उसके गले पर धारदार हथियार से हमला कर रुपए 48 हजार लूटकर फरार हो गया। घायल की पहचान राजू पाल के रूप में हुई है। वारदात उप सरपंच ढाबे के पास हुई, जहां आरोपी ने मौका पाकर हमला किया। गंभीर रूप से घायल राजू पाल को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही परवलिया सड़क थाना पुलिस ने इलाके में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने राजगढ़ निवासी एक नाबालिग आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटी गई रुपए 48 हजार की राशि भी बरामद कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ के आधार पर वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

सरोजनी नायडू कॉलेज में दीक्षारंभ कार्यक्रम संपन्न

मानसिक स्वास्थ्य पर दिया विशेष मार्गदर्शन

नप्र, भोपाल : सरोजनी नायडू कन्या महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्राओं के स्वागत एवं मार्गदर्शन के उद्देश्य से चार दिवसीय दीक्षारंभ (इंडक्शन प्रोग्राम-2026) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी ने मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। उन्होंने अनुशासन, नियमित अध्ययन, नैतिक मूल्यों और व्यक्तित्व विकास के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ छात्राओं को आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारी डॉ. मनीषा शर्मा ने छात्राओं को महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, विभिन्न विभागों, छात्रहितैषी योजनाओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। छात्राओं को वर्चुअल टूर, आधिकारिक यूट्यूब और व्हाट्सएप चैनल सहित अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म से भी परिचित कराया गया। ओरिएंटेशन सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली, एंटी रैगिंग नियम, पॉश अधिनियम, छात्रवृत्ति योजनाओं तथा डिजिटल शिक्षा संसाधनों की जानकारी दी गई।

छात्राओं को सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग, साइबर सुरक्षा और डिजिटल अनुशासन के प्रति भी जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाओं, कंप्यूटर लैब, स्मार्ट क्लास, खेल विभाग, एनसीसी और एनएसएस सहित महाविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं का भ्रमण कराया गया। ई-लाइब्रेरी, एन-लिस्ट और अन्य ऑनलाइन अध्ययन संसाधनों के उपयोग की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम के अंतिम दिन 'मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस' विषय पर मनोचिकित्सक डॉ. सुधीर कोचर ने विशेष व्याख्यान दिया।

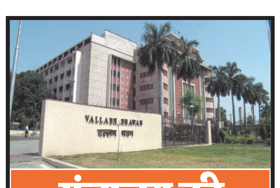

मंत्रालय की गुफ्तगु...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

• अच्छा सिला दिया तूने...

कई महीनों से फील्ड, निगम, मंडल या आयोग की मलाईदार पोस्टिंग के सपने बुन रहे एक साहब को आखिरकार 'इनाम' मिल ही गया। मंत्रालय के एक फ्लोर से उठाकर दूसरे फ्लोर पर बिठा दिया गया। आदेश पढ़ते ही साहब समझ गए कि किस्मत ने फिर मजाक कर दिया। अब मिलने वाले बधाई दे रहे हैं और साहब मुस्कुराकर वही पुराना फिल्मी गीत गुनगुना रहे हैं—अच्छा सिला दिया तूने...

• जाते-जाते मेहरबानी कर जाइए...

विभागीय जांच में उलझे एक बड़े साहब की फाइल आखिर सबसे बड़े साहब की टेबल तक पहुंच गई है। इधर बड़े साहब की विदाई की चर्चाएं भी जोरों पर हैं। ऐसे में फरियादी ने हाथ जोड़कर अर्ज कर दी— 'साहब, जाते-जाते एक पुण्य का काम भी कर जाइए।' बस, 'जाने' वाला शब्द बड़े साहब को ऐसा चुभा कि अब फाइल की किस्मत भी उनके मूड पर टिकी बताई जा रही है।

• खरीद हमारी... जिम्मेदारी तुम्हारी...

जब खरीददारी हो रही थी तब बड़े साहब की पसंद ही विभाग का संविधान थी। किसी की सलाह की जरूरत नहीं समझी गई। अब सामान की गुणवत्ता पर सवाल उठे तो जिम्मेदारी नीचे वाले अफसरों के सिर रख दी गई। आखिर बड़े अफसरों की कलम फैसले लिखने के लिए होती है, जवाबदेही लिखने के लिए नहीं।

• भलाई का मिला इनाम...

एक साहब ने नेक नीयत से दूसरे विभाग के कुछ अधिकारियों की अपने आला अफसरों के सामने खूब तारीफ कर दी। अब वही तारीफ उनके लिए सिरदर्द बन गई है। जिनकी पैरवी की थी, वही अब उनकी कुर्सी के संभावित दावेदार बताए जा रहे हैं। साहब अब लोगों को मुफ्त की सलाह दे रहे हैं— 'भलाई भी सोच-समझकर किया करो।'

• शादी में बनी बात... या अभी बाकी है ?

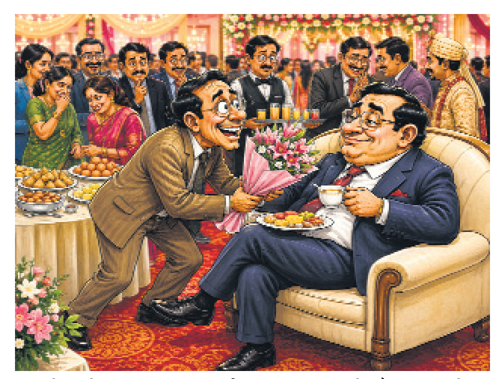

बड़े नौकरशाह से मिलने की हर कोशिश नाकाम रही तो एक साहब ने सामाजिक रिश्तों का सहारा लिया। बड़े वैवाहिक समारोह में बड़े साहब भी पहुंचे। स्वागत-सत्कार ऐसा हुआ कि बड़े साहब भी गदगद हो गए। अब देखने वाली बात यह है कि शादी की मिठास फाइलों तक पहुंचती है या वहीं पंडाल में खत्म हो जाती है।

• ज्यादा सक्रियता भी परेशानी है...

एक जिले के मुखिया रोज जनता के बीच, गांवों में रात्रि विश्राम और योजनाओं का फीडबैक लेने में जुटे हैं। ऊपर बैठे अफसर उनकी पीठ थपथपा रहे हैं, लेकिन जिले के कुछ माननीयों की नींद उड़ गई है। वजह यह कि जनता अब सीधे मुखिया तक पहुंचने लगी है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि विकास से ज्यादा परेशानी उसकी लोकप्रियता दे रही है।